युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण
सितम्बर, 2024 के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

सितम्बर मास का चार्ट:
लक्ष्य**:** रूहानी प्यार की मूरत

रूहानी प्यार आत्मिक प्यार है। हमें संगमयुग में स्वयं परमात्मा रूहानी प्यार सिखाते हैं। इस समय का परमात्म प्यार अनेक जन्म प्यार संपन्न जीवन की प्रालब्ध बना देता है लेकिन प्राप्ति का समय यही है। संगमयुग में स्वयं भगवान हमें हमारी सत्य पहचान देकर हर आत्मा से रूहानी स्नेह रखना सिखाते हैं। हम परमात्मा के संग प्यार का संसार स्थापन करने के निमित्त है। सतयुग प्यार का संसार है जहां जानवरों में भी असीम प्यार होगा। प्यार संसार की सर्वोच्च शक्ति है जो कैसी भी आत्मा को परिवर्तित कर सकती है। हम आत्माओं ने भी पहले प्यार को महसूस किया फिर ज्ञान को समझा। रूहानी प्यार की मूरत आत्माएं कभी किसी से न प्रभावित होती हैं, न किसी को प्रभावित करती हैं परन्तु वह सभी का प्यार एक परमात्मा से जुटाती हैं।

तो आईये, हम रूहानी प्यार का संसार बनाएं।

| **सप्ताह** | **दिव्य दर्पण का पुरूषार्थ** |
|---|---|
| पहला | स्वयं से प्यार करना |
| दूसरा | परमात्मा से प्यार करना |
| तीसरा | ब्राह्मण परिवार की हर आत्मा से प्यार करना |
| चौथा | ड्रामा के हर सीन से प्यार करना |

हर सप्ताह का जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है। उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है. रोज रात को चेक करना है कि हम कितना % प्यार की मूरत बनें।

- **विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)**

1. रूहानी प्यार का महत्व क्या है?
2. रूहानी प्यार की मूरत बनने में हमारे में कौनसे गुणों की धारणा चाहिए?
3. रूहानी प्यार बनाये रखने के लिए मेरा पुरुषार्थ क्या है?
4. Action Plan बनाएं।

- **फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:**

1. गुड मॉर्निंग - 3.30 2. अमृतवेला–3.30 से 4.45 3. व्यायाम/पैदल हाँजी
4.ट्रैफिक कंट्रोल - 5 5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? हाँ

7. नुमाशाम का योग-हाँ जी 8. स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी 9. रूहानी प्यार की मूरत - 80% 10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

- **इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:**
  - हर आत्मा का अनादि स्वरूप देखेंगे।
  - मन, वाणी और कर्म के लिए बाबा ने जो श्रीमत दी है उसका पालन करेंगे।

  - **अभ्यास:** हर घंटे एक मिनट के लिए प्यार के सागर शिवबाबा से सच्चे प्यार की किरणों को अनुभव करें और आत्माओं पर उस रूहानी प्यार की वर्षा करें।

  - **दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरुर लिखें।**

| **सप्ताह** | **स्वमान** |
|---|---|
| पहला | मैं आत्मा आदि अनादि प्रेम स्वरूप हूँ। |
| दूसरा | मैं आत्मा परमात्म प्यारी हूँ। |
| तीसरा | मैं आत्मा सर्व स्नेही हूँ। |
| चौथा | मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ। |

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org